



Neeraj



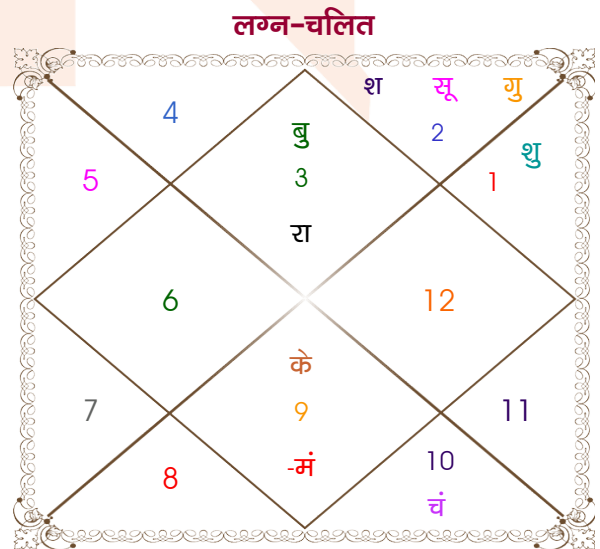
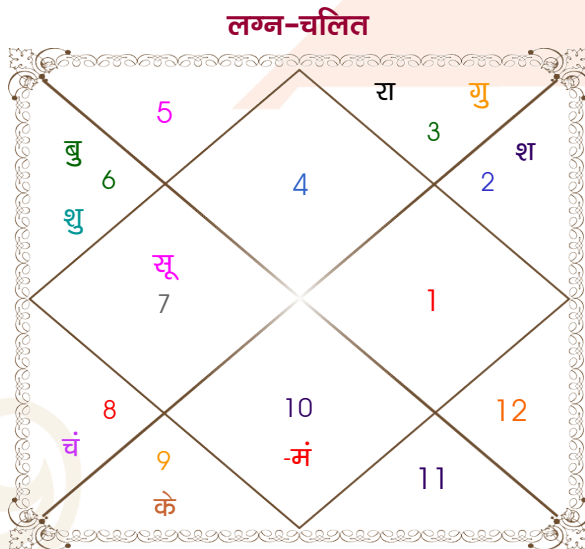
Pooja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119408205

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ स्त्रीलिंग \_\_\_\_\_  
 19-20/10/2001 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ 10/06/2001  
 शुक्र-शनिवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ रविवार \_\_\_\_\_  
 घंटे 00:56:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ 07:10:00 घंटे  
 घटी 46:22:47 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ 04:34:51 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ India  
 Meerut : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ Almora  
 29:00:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ 29:36:00 उत्तर  
 77:42:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ 79:40:00 पूर्व  
 82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ 82:30:00 पूर्व  
 घंटे -00:19:12 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ -00:11:20 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ 00:00:00 घंटे  
 06:22:53 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ 05:10:46  
 17:44:14 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ 19:10:51  
 23:52:37 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ 23:52:20

| विंशोत्तरी<br>शनि 6वर्ष 4मा 23दि<br>केतु<br>14/03/2025<br>13/03/2032 |            | अंश      | राशि    | ग्रह     | राशि   | अंश      | विंशोत्तरी<br>चन्द्र 9वर्ष 4मा 27दि<br>राहु<br>06/11/2017<br>07/11/2035 |            |
|----------------------------------------------------------------------|------------|----------|---------|----------|--------|----------|-------------------------------------------------------------------------|------------|
| केतु                                                                 | 10/08/2025 | 20:37:39 | कर्क    | लग्न     | मिथु   | 21:35:55 | राहु                                                                    | 20/07/2020 |
| शुक्र                                                                | 10/10/2026 | 02:35:58 | तुला    | सूर्य    | वृष    | 25:22:57 | गुरु                                                                    | 13/12/2022 |
| सूर्य                                                                | 15/02/2027 | 12:10:37 | वृश्चि  | चंद्र    | मक     | 10:47:13 | शनि                                                                     | 19/10/2025 |
| चन्द्र                                                               | 16/09/2027 | 00:46:31 | मक      | मंगल व   | धनु    | 00:03:23 | बुध                                                                     | 08/05/2028 |
| मंगल                                                                 | 12/02/2028 | 21:17:17 | कन्या व | बुध व    | मिथु   | 04:53:15 | केतु                                                                    | 26/05/2029 |
| राहु                                                                 | 01/03/2029 | 21:30:02 | मिथु    | गुरु     | वृष    | 28:36:48 | शुक्र                                                                   | 26/05/2032 |
| गुरु                                                                 | 05/02/2030 | 11:29:13 | कन्या   | शुक्र    | मेष    | 09:36:42 | सूर्य                                                                   | 20/04/2033 |
| शनि                                                                  | 17/03/2031 | 20:37:27 | वृष व   | शनि      | वृष    | 12:29:28 | चन्द्र                                                                  | 19/10/2034 |
| बुध                                                                  | 13/03/2032 | 05:11:48 | मिथु व  | राहु     | मिथु   | 12:30:14 | मंगल                                                                    | 07/11/2035 |
|                                                                      |            | 05:11:48 | धनु व   | केतु     | धनु    | 12:30:14 |                                                                         |            |
|                                                                      |            | 27:05:03 | मक व    | हर्ष व   | कुंभ   | 00:54:47 |                                                                         |            |
|                                                                      |            | 12:06:58 | मक      | नेप व    | मक     | 14:40:09 |                                                                         |            |
|                                                                      |            | 19:31:34 | वृश्चि  | प्लूटो व | वृश्चि | 19:53:58 |                                                                         |            |



## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट    | वर        | कन्या    | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र         |
|--------|-----------|----------|-----|---------|-----|-----------------|
| वर्ण   | विप्र     | वैश्य    | 1   | 1.00    | --  | जातीय कर्म      |
| वश्य   | कीटक      | चतुष्पाद | 2   | 1.00    | --  | स्वभाव          |
| तारा   | प्रत्यारि | साधक     | 3   | 1.50    | --  | भाग्य           |
| योनि   | मृग       | वानर     | 4   | 2.00    | --  | यौन विचार       |
| मैत्री | मंगल      | शनि      | 5   | 0.50    | --  | आपसी सम्बन्ध    |
| गण     | देव       | देव      | 6   | 6.00    | --  | सामाजिकता       |
| भकूट   | वृश्चिक   | मकर      | 7   | 7.00    | --  | जीवन शैली       |
| नाड़ी  | मध्य      | अन्त्य   | 8   | 8.00    | --  | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल :  |           |          | 36  | 27.00   |     |                 |

छममतंर का वर्ग सर्प है तथा चवरं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छममतंर और चवरं का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

छममतंर मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छममतंर कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुराभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।  
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल छममतंर कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

चवरं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

### गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छममतंर कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छममतंर तथा चवरं में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

